ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-४५
दिनांक- शुक्रवार, ०३ जुलाई, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.५ एवं २०.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८६ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ५५ प्रतिशत, हवा की औसत गति १२.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ४.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.१ एवं दोपहर में ३४.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ६.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(०४-०८ जुलाई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ०४ -०८ जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते है। अगले २४ घंटो में दरभंगा, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी चम्पारण एवं सिवान जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। इन जिलों में ४ जुलाई के बाद तथा बाकी सभी जिलों में पूरे पूर्वानुमानित अवधि में अच्छी वर्षा की सम्भावना नहीं है, हलाकि इन जिलों के अनेक स्थानों पर हल्की-हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३१ से ३६ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २६-२८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १५-२० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछले दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में वर्षा हुई है। वर्षा जल का लाभ उठाते हुए जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- विगत वर्षा का लाभ उठाते हुए जो किसान धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य १० जुलाई तक सम्पन्न कर लें। धान की अगात किस्में जैसे-प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें।
- किसान भाई ऊचाँस जमीन में तिल की बुआई करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ६० किवन्टल कम्पोस्ट, २० किलो नेत्रजन, २० किलोस्फुर एवं २० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बीजदर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० ग १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- उचाँस जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर,२० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेंद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८-२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े १५ से २० दिनो के हो गये हो, में खर-पतवार निकालें। पौधशाला को तेज धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए ४० : छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है।
- जो किसान भाई खरीफ प्याज का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, उथली क्यारिओं में यथाशीघ्र नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डाक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए ४०: छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट-व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- उचाँस जमीन में बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसल में कीट-व्याधियों की निगरानी करते रहें।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओ के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे। दूधारू पशुओं को हरे चारे के साथ-साथ सूखा चारा (५०:५०) के अनुपात में खिलायें तथा २०-३० ग्राम खनिज मिश्रण व नमक प्रतिदिन दें।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.१ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः २०.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.६ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी